

‘द्विग्वर जैन’ पत्रना आ आंतेना यथांशः

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

# श्री कुंदकुंदाचार्य चरित्र.

(इस्वी सन् पूर्वे ५०० वर्षेनो जनो नो संक्षिप्त गतिहाम )

अनुवादक अने प्रकाशक -

मूलचंद्र किसनदास कापड़ीआ,

ऑ. संपादक, “द्विग्वर जैन”—मुरत.

वटोदग निवासी शा. गीरधरलाल नारणदास मयची  
तरफथी नेमना स्वर्गवानी वधु जपलादासना स्मरणार्थं

‘द्विग्वर जैन’ पत्रना ग्राहकोने मातमा वर्षमा

( प्रथम ) भेट.